बेकाबू कार डिवाइडर से टकराकर तीन बार पलटी; एक की मौत, पांच घायल

निवारू रोड बाइपास पर सोमवार देर रात हुआ हादसा, एक युवक की हालात गंभीर

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के निवारू रोड बाइपास पर सोमवार देर रात तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार तीन बार पलट गई। हादसे में कार सवार उदयपाल सिंह की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। इनमें एक घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मृतक का शव कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

करधनी थाने के एसआई मुकेश सिंह ने बताया कि हादसा देर रात करीब दो बजे निवारू बाइपास पर हुआ। कार नंबर आरजे 21 सीबी 6176 में छह लोग सवार थे। कार निवारू की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही थी। इसी दौरान चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार डिवाइडर से टकराकर कई बार पलट गई। हादसे में उदयपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे कांवटिया अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

■ **तीन घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिली, हादसे की जांच में जुटी पुलिस टीम**

हादसे में घायल परमवीर सिंह के सिर में गंभीर चोट आई है और कान से खून निकल रहा था। उसे सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। वहीं, मूंडियावास निवासी भारत सिंह और भीम सिंह तथा ब्यावर निवासी सुरेंद्र सिंह सहित अन्य घायलों को भी अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें तीन घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस के अनुसार, हादसे में कुल पांच लोग घायल हुए थे।

प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, वह अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान निवारू की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही कार अचानक डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद कार कई बार पलटी और हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार तीन लोग उछलकर बाहर जा गिरे। पुलिस के अनुसार मृतक उदयपाल सिंह के निवास स्थान और परिजनों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव उन्हें सौंपा जाएगा। फिलहाल मृतक का पोस्टमार्टम नहीं हुआ है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवक पर देशी कट्टे से जानलेवा फायरिंग करने वाले दो गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार और बाइक बरामद



खोराबीसल पुलिस ने युवक पर अवैध देशी कट्टे से जानलेवा फायरिंग करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जयपुर । खोराबीसल थाना पुलिस ने आपसी झगड़े के दौरान एक युवक पर अवैध देशी कट्टे से जानलेवा फायरिंग करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त अवैध देशी कट्टा, फायर किया हुआ खाली कारतूस का खोल और घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। प्रारंभिक अनुसंधान में सामने आया है कि आरोपी विष्णु कुमार ने देशी कट्टा और कारतूस मेवात से खरीदना बताया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि खोराबीसल थाना पुलिस ने आपसी झगड़े के दौरान एक युवक पर अवैध देशी कट्टे से जानलेवा फायरिंग करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त अवैध देशी कट्टा, फायर किया हुआ खाली कारतूस का खोल और घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। प्रारंभिक अनुसंधान में सामने आया है कि आरोपी विष्णु कुमार (19) निवासी अटलबंध जिला भरतपुर हाल लालचंदपुरा जयपुर और अभिषेक जाजोरिया उर्फ यश (20) निवासी खोराबीसल जयपुर को गिरफ्तार किया है।पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। साथ ही उनके अन्य आपराधिक वारदातों में शामिल होने और संभावित साथियों के संबंध में जांच पड़ताल की जा रही है।

खोराबीसल थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह के अनुसार मनसारामपुरा खोराबीसल निवासी गणेश शर्मा (20) पुत्र ईश्वर लाल शर्मा ने 15 नवंबर 2026 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ने बताया कि 15 नवंबर को शाम करीब सात बजे वह लालचंदपुरा स्थित विधायक कैफे की तरफ जा रहा था। इसी दौरान विष्णु धोबी और यश मोटरसाइकिल पर सवार होकर उसके सामने आए। दोनों ने उसके साथ गाली-गलौज की और लाठियों से मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने उस पर देशी कट्टे से फायरिंग कर दी। परिवादी ने किसी तरह बचकर अपनी जान बचाई, जबकि आरोपी मोटरसाइकिल से मौके से फरार हो गए। पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई।

पुलिस टीम ने घटनास्थल और उसके आसपास के क्षेत्रों के साथ ही निवारू रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।

फुटेज में मिले हुलिए के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। इसी दौरान जिला विशेष टीम के कांस्टेबल मुकुट बिहारी मीणा को मुखबिर से आरोपियों के संबंध में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने निवारू पुलिया के पास दबिश देकर दोनों वांछित आरोपियों को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर वारदात के बाद छिपाया गया अवैध देशी कट्टा, फायर किया हुआ खाली कारतूस का खोल और घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी विष्णु कुमार ने देशी कट्टा और कारतूस मेवात से खरीदना बताया है। वहीं वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल अभिषेक जाजोरिया की होना सामने आया है। पुलिस के अनुसार अभिषेक जाजोरिया के पिता मूल रूप से दिल्ली के निवासी थे और पिछले कई वर्षों से लालचंदपुरा निवारू रोड क्षेत्र में रह रहे हैं।

सीसी सड़कों का शिलान्यास

जयपुर । मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 80 सोमेश्वरपुरी स्कूल के पास 6 दुकान चौराहे पर सीसी सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। नटवर कुमावत ने बताया कि सराफ के द्वारा पीडब्ल्यूडी से गली नंबर 11 में सोमेश्वरपुरी स्कूल से नाले तक, गली 12, 13, 14, 23 एवं ई-ब्लॉक शॉपिंग सेंटर के तीनों ओर सीसी सडकें बनेंगी। स्थानीय पार्षद रेनू चौधरी ने बताया कि सड़कें बन जाने से बच्चों को स्कूल आने जाने और स्थानीय लोगों को बाजार आने-जाने में सुविधा होगी। इस अवसर पर पार्षद रेनू जितेंद्र चौधरी, मंडल अध्यक्ष मोहित मूलचंदानी मौजूद थे।

सड़क हादसे में घायल युवक की पांच दिन बाद मौत

जयपुर । जवाहर सर्किल थाना इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा 16 नवंबर की रात करीब 11:30 बजे एनडब्ल्यूआर कार्यालय के सामने हुआ था। घायल ने एसएमएस अस्पताल में पांच दिन तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद 21 नवंबर को दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान राजकुमार (38) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से झुंझुनूं जिले के गुढ़ा गोडजी क्षेत्र स्थित दरबासा की ढाणी का रहने वाला था और वर्तमान में जयपुर के सरस्वती नगर में रह रहा था।

परिवादी इंद्रजीत सिंह (58) ने जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 16 नवंबर की रात एनडब्ल्यूआर कार्यालय के सामने किसी अज्ञात वाहन ने राजकुमार को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर जवाहर सर्किल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। राजकुमार की मौत के बाद परिजनों ने अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र गुर्जर ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक का शव एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है।

टाइगर फेस्टिवल की तैयारियां शुरू

जयपुर । बाघ एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले जयपुर टाइगर फेस्टिवल (जेटीएफ) के आठवें संस्करण जेटीएफ-2026 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। दिसंबर में जयपुर के जवाहर कला केंद्र में आयोजित होने वाले इस फेस्टिवल के तहत बाघ संरक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। केरल के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने जेटीएफ-2026 के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जयपुर टाइगर फेस्टिवल बाघ संरक्षण के प्रति जनचेतना फैलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

बुजुर्ग दंपत्ति को डिजिटल अरेस्ट कर 5 लाख रुपए ठगने वाले गिरफ्तार

जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने आरोपियों को दिल्ली से दबोचा

जयपुर (कासं)। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर मुंबई निवासी एक बुजुर्ग दंपती से पांच लाख रुपये की ठगी करने के मामले में दो आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शोभित मिश्रा (28) और मनीष सेठी (49) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी फिलहाल पुलिस रिमांड पर हैं। पुलिस उनसे ठगी की रकम बरामद करने और वारदात से जुड़े अन्य तथ्यों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि मुंबई निवासी जयंत नारायण साहा (68) ने 22 सितंबर 2026 को जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपनी पत्नी के इलाज तथा जोड़ों के दर्द के उपचार के सिलसिले में मुंबई से जयपुर आए हुए थे और यहां एक होटल में ठहरे थे और 10 सितंबर 2026 को होटल में ठहरने के दौरान उनके मोबाइल पर अज्ञात नंबरों से वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने स्वयं को पुलिसकर्मी बताते हुए परिवादी को आतंकवाद, मनी लॉन्ड्रिंग और हथियार उपलब्ध कराने जैसे गंभीर आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी दी। आरोपियों ने गिरफ्तारी और मारपीट का भय दिखाकर उन्हें मानसिक रूप से डराया तथा बताए गए बैंक खाते में पांच लाख रुपये जमा करवा लिए। इस संबंध में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। साथ ही जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने मामले की



आरोपी शोभित मिश्रा और मनीष सेठी

जांच के दौरान संबंधित बैंक खातों, संदिग्ध मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और कैफ आईडी का विश्लेषण किया। तकनीकी साक्ष्यों और लोकेशन के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर उन्हें दिल्ली से डिटेन किया गया। पूछताछ और अनुसंधान के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र के अनुसार आरोपी डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी की वारदात को अंजाम देने के लिए अज्ञात मोबाइल नंबरों से बुजुर्ग महिला और पुरुषों को वीडियो कॉल करते

■ **आरोपियों ने आतंकवाद, मनी लॉन्ड्रिंग और हथियार उपलब्ध कराने जैसे गंभीर आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी देकर पीड़ितों को डराया**

थे। कॉल के दौरान एक आरोपी पुलिस की वर्दी में दिखाई देता था और पीड़ितों को मनी लॉन्ड्रिंग तथा आतंकी गतिविधियों से जुड़े मामलों में फंसाने का डर दिखाता था। इसके बाद दूसरे आरोपी को फोन पर बात कराई जाती थी, जो पीड़ितों को गिरफ्तारी, पंखे से लटकाकर मारपीट करने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देता था। इस तरह लगातार दबाव बनाकर पीड़ितों को भयभीत किया जाता था।

आरोपी इसके बाद व्हाट्सएप के माध्यम से बैंक खातों और फर्जी फर्मों से संबंधित विवरण भेजते थे तथा तत्काल रकम ट्रांसफर करने के लिए दबाव बनाते थे। पीड़ित से राशि जमा करवाने और उसकी रसीद प्राप्त करने के बाद आरोपी अपने मोबाइल फोन बंद कर लेते थे, जिससे उनसे संपर्क नहीं हो पाता था। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी वर्तमान में पुलिस रिमांड पर हैं। उनसे ठगी गई पांच लाख रुपये की राशि की बरामदगी के लिए पूछताछ की जा रही है। साथ ही बैंक खातों, फर्जी फर्मों और वारदात में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबरों के संबंध में तस्दीक कर जांच पड़ताल की जा रही है।

प्लॉट और सरकारी नौकरी का झांसा देकर 23.11 लाख रुपए ठगने वाला गिरफ्तार

■ **आरोपी से धोखाधड़ी की रकम, प्लॉट दिलाने के नाम पर किए गए लेन-देन और सरकारी नौकरी लगवाने के झांसे से जुड़े अन्य तथ्यों के संबंध में पूछताछ करने में जुटी है पुलिस टीम**

जयपुर । खोह नागोरियान थाना पुलिस ने प्लॉट दिलाने और नगर निगम में सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर 23 लाख 11 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में एक साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महेश कुमार मीना (40) निवासी टोडाभीम जिला करौली को गिरफ्तार कर विस्तृत पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) रंजीता शर्मा के अनुसार पुलिस के अनुसार, आरोपी से धोखाधड़ी की रकम, प्लॉट दिलाने के नाम पर किए गए लेन-देन और सरकारी नौकरी लगवाने के झांसे से जुड़े अन्य तथ्यों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

खोह नागोरियान थानाधिकारी सुनील गोदारा के अनुसार परिवादी सूरज मल ने 26 अगस्त 2025 को खोह नागोरियान थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी महेश कुमार मीना ने उसे प्लॉट नंबर 54, 55 और 56 दिलाने तथा नगर निगम जयपुर में सफाई कर्मचारी भर्ती के तहत सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। आरोपी ने इन कामों के बदले परिवादी से कुल 23 लाख 11 हजार रुपये प्राप्त कर लिए, लेकिन न तो उसे प्लॉट दिलवाए और न ही सरकारी नौकरी लगवाई। इस प्रकार आरोपी ने परिवादी के साथ धोखाधड़ी कर रकम हड़प ली। इस संबंध में खोह नागोरियान थाने में मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की गई। गठित पुलिस टीम ने तकनीकी संसाधनों, पारंपरिक पुलिसिंग और मुखबिर तंत्र की सहायता से फरार आरोपी की तलाश की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने आरोपी महेश कुमार मीना को गिरफ्तार किया।

सार-समाचार

15 मेधावी बच्चों का सम्मान किया



जयपुर । करधनी स्थित जीनियस किड्स अबेकस सेंटर में आठों स्तर सफलतापूर्वक पार करने वाले 15 होनहार बच्चों के सम्मान में भव्य ग्रेजुएशन सेरेमनी आयोजित की गई। समारोह में सभी सफल विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि के लिए प्रमाण पत्र और आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया गया। संस्था के निदेशक भवानी सिंह चौहान ने बच्चों को सम्मान प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा जीवन में निरंतर आगे बढ़ने और नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

एमवे और अक्षय पात्र के बीच समझौता



जयपुर । बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एमवे इंडिया ने द अक्षय पात्र फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है। इसके तहत देशभर के स्कूली बच्चों को 1.62 लाख से अधिक पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराए जाएंगे। यह पहल बाल दिवस से शुरू होकर दिसंबर 2026 की शुरुआत तक चलेगी। एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चौपड़ा ने बताया कि इस पहल के तहत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में भोजन वितरित किया जाएगा। जयपुर सहित दिल्ली, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, बेल्लारी, अहमदाबाद, ठाणे और चेन्नई में एमवे के वितरक एवं कर्मचारी स्वयंसेवा कर बच्चों को पौष्टिक खान-पान के प्रति जागरूक करेंगे। वर्ष 2024 में भी दोनों संस्थाओं ने आठ शहरों में 90 हजार से अधिक पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराए थे। वहीं, एमवे के पावर ऑफ 5 कार्यक्रम से अब तक 10 लाख से अधिक लोगों को लाभ मिला है, जिनमें 1.60 लाख से अधिक बच्चे शामिल हैं।

बैडमिंटन लीग की ट्रॉफी का अनावरण

जयपुर। डॉक्टर समुदाय की प्रमुख खेल प्रतियोगिताओं में शामिल एसबीआई डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग (डीबीएल) सीजन-8 की ट्रॉफी का भव्य अनावरण किया गया। प्रतियोगिता 27 नवंबर से 6 दिसंबर 2026 तक जयपुर की स्पोफिट अकादमी में आयोजित होगी। लीग संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि ट्रॉफी का अनावरण महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के चेयरपर्सन डॉ. विकास स्वर्णकार ने किया। उन्होंने चिकित्सकों के जीवन में खेल और शारीरिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आयोजन समिति को शुभकामनाएं दीं। लीग आयोजन अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि वर्ष 2018 से आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में इस बार 46 टीमों के 400 से अधिक चिकित्सक एवं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े खिलाड़ी भाग लेंगे। इस अवसर पर लीग कोऑर्डिनेटर डॉ. सुधांशु, डॉ. मनु सोनी, डॉ. रजत बोहरा, डॉ. मनीष विजयवर्गीय और डॉ. रवीन्द्र सिसोदिया सहित आयोजन समिति के सदस्य मौजूद रहे। प्रतियोगिता के साथ डॉक्टरों और उनके परिवारजनों के लिए विशेष डीबीएल फनमिंटन गतिविधि भी आयोजित होगी।

जेकेके में चित्रकला प्रदर्शनी आज से

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के चित्रकला विभाग के सहायक आचार्य एवं समकालीन कलाकार डॉ. जगदीश प्रसाद मीणा की एकल चित्रकला प्रदर्शनी 25 से 30 नवंबर तक जवाहर कला केंद्र की सुरेख आर्ट गैलरी में आयोजित होगी। उद्घाटन 25 नवंबर को सुबह 11:15 बजे राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत करेंगे। इस अवसर पर उदयपुर के तख़मन-28 आर्ट ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. विद्यासागर उपाध्याय और जयपुर की सृष्टि आर्ट ग्रुप सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. नाथूलाल वर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे। प्रदर्शनी में कुल 52 कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। इनमें 20 ऐक्रेलिक ऑन कैनवास तथा 32 चारकोल एवं वॉटरकलर मिश्रित माध्यम की कृतियां शामिल हैं। इनके माध्यम से पारिवारिक रिश्तों, मानवीय संवेदनाओं, संघर्षों और रोजमर्रा के अनुभवों को दर्शाया गया है।

'न्यू सांगानेर रोड चौड़ी करने से पहले निर्माणकर्ताओं के पट्टों और दस्तावेजों की जांच होगी'

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने जेडीए और निगम अधिकारियों की बैठक ली

जयपुर। न्यू सांगानेर रोड चौड़ीकरण मामले में कार्रवाई से पहले प्रभावित निर्माणकर्ताओं के पट्टों और अन्य दस्तावेजों की जांच की जाएगी। इसके बाद ही तय होगा कि कौन से निर्माण वैध हैं और कहां अतिक्रमण की स्थिति है। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मंगलवार को अपने जयपुर स्थित आवास पर जेडीए और नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक कर मामले की समीक्षा की। बैठक में जेडीए सचिव गौरव सैनी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री ने अधिकारियों से सड़क चौड़ीकरण के लिए किए गए डिमार्केशन, प्रस्तावित अलाइनमेंट, प्रभावित मकानों और व्यावसायिक संस्थानों की स्थिति तथा स्थानीय लोगों की आपत्तियों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन निर्माणकर्ताओं के दस्तावेजों की जांच बाकी है, उनके पट्टों और संबंधित रिकॉर्ड का अध्ययन कर सभी तथ्यों के साथ रिपोर्ट तैयार की जाए। दस्तावेजों की जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी।

चौड़ीकरण के डिमार्केशन और सड़क के प्रस्तावित अलाइनमेंट को लेकर व्यापारियों और स्थानीय लोगों में नाराजगी है। प्रभावित लोगों का कहना है कि पट्टे और अन्य दस्तावेज होने के बावजूद उनके निर्माणों को चौड़ीकरण की जद में लिया जा रहा है। व्यापारियों ने कार्रवाई से पहले दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच और सड़क की सीमा स्पष्ट करने की मांग की है।

इससे पहले पूर्व यूडीएच मंत्री राजपाल सिंह शेखावत ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित व्यापारियों और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी थीं। उन्होंने इस मुद्दे पर यूडीएच मंत्री खर्रा से भी बातचीत की थी। अब मंत्री खर्रा बुधवार को जेडीए और नगर निगम अधिकारियों के साथ फिर बैठक करेंगे। इसमें दस्तावेजों की जांच, तैयार रिपोर्ट, प्रभावित लोगों की आपत्तियों और प्रस्तावित अलाइनमेंट की समीक्षा होगी। बैठक में जयपुर शहर के जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

पर्यटकों को परेशान करने वाले 33 लोग गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर में देशी विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित एवं भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराने के लिए पुलिस की ओर से चलाए गए विशेष सुरक्षा अभियान के तहत 33 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस अभियान के दौरान पर्यटकों को परेशान करने वाले 7 लपकों के खिलाफ 6 प्रकरण दर्ज किए गए, जबकि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170 के तहत 26 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करन शर्मा ने बताया कि इस अभियान के दौरान शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों, बाजारों और ऐतिहासिक धरोहरों के आसपास पुलिस गश्त एवं निगरानी व्यवस्था मजबूत की गई। इसका उद्देश्य देशी-विदेशी पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा, अभद्रता और असुरक्षा से बचाना तथा पर्यटन स्थलों पर भयमुक्त वातावरण बनाए रखना था। पुलिस के अनुसार इस अभियान के दौरान पर्यटकों को परेशान करने और उनसे अनुचित व्यवहार करने वाले 7 लपकों के खिलाफ 6 प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में ममनून निवासी लेखराज नगर, थाना जयसिंहपुरा खोर, साजिद खान निवासी मेहंदी नगर, आमेर, मनोज कुमार सिंधी निवासी नंद वाटिका, कुंड रोड, आमेर, सानू निवासी रामगंज बाजार, जयपुर, अकिल निवासी अमृतपुरी, घाटगेट, जयपुर, पिंटू कुमार निवासी बिजनौर, उत्तर प्रदेश तथा शिवराज कीर निवासी बूंदी शामिल हैं।

पंचायत चुनाव में हार की गाज गिरती है तो मैं भी इसके लिए तैयार हूं : किरोड़ी

'मेरी परफॉर्मेंस कमजोर है तो कार्रवाई का स्वागत करूंगा, हार के लिए निचले स्तर की ब्यूरोक्रेसी भी जिम्मेदार'

जयपुर । राजस्थान में पंचायत चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा में हार के कारणों को लेकर सियासी मंथन के बीच कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने जवाबदेही को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि यदि किसी मंत्री की परफॉर्मेंस कमजोर रही है और इसके चलते उस पर कार्रवाई होती है तो उन्हें इसका स्वागत होगा। इसमें वह खुद भी शामिल हैं। मीणा ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व, संगठन या मुख्यमंत्री को लगता है कि उनकी परफॉर्मेंस कमजोर रही है तो उन पर भी गाज गिरनी चाहिए। उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटने के बजाय कमियों को स्वीकार करते हुए उन्हें दूर करने की बात कही।

मंत्री मीणा ने कहा कि वह अपनी बात कर रहे हैं, किसी दूसरे मंत्री के बारे में टिप्पणी नहीं कर रहे। उन्होंने कहा कि वह लगातार सरकारी कार्यक्रमों में शामिल होते हैं, गांवों में जाते हैं और लोगों के सुख-दुख में भागीदारी निभाते हैं। इसके बावजूद पार्टी और सरकार जमीनी स्तर पर पनप रहे असंतोष को समय रहते पहचान नहीं पाई। यह हमारी कमी रही है। अब इन कमियों को दूर कर पार्टी और सरकार को मजबूत करने की दिशा में काम किया जाएगा।

पंचायत चुनाव में भाजपा के कमजोर प्रदर्शन के कारणों पर बात करते हुए किरोड़ीलाल मीणा ने निचले स्तर की ब्यूरोक्रेसी की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हार की बड़ी वजह जेईएन, ग्राम सेवक और पटवारी जैसे निचले स्तर के अधिकारियों की निष्क्रियता रही। सरकार इन अधिकारियों को अपेक्षित रूप से सक्रिय नहीं कर पाई। इसके कारण सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक सही तरीके से नहीं पहुंच सका।

उन्होंने कहा कि योजनाओं की डिलीवरी ठीक नहीं होने से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के बीच असंतोष बढ़ता रहा, लेकिन इसे समय रहते समझा नहीं जा सका। अचानक चुनाव परिणामों के रूप में इसका असर सामने आया। अब इस असंतोष को दूर करने और प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है।

सोमवार को हरियाणा का उदाहरण देते हुए दिए गए अपने बयान पर सफाई देते हुए मीणा ने कहा कि उनका आशय केंद्रीय नेतृत्व की चुनावी रणनीति और क्षमता को बताना था। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत की कल्पना पहले नहीं की जाती थी। इसी तरह बिहार और हरियाणा में भी भाजपा की सरकार बनने को लेकर कई लोगों को भरोसा नहीं था, लेकिन केंद्रीय नेतृत्व की रणनीति से पार्टी ने सफलता हासिल की।

मीणा ने कहा कि राजस्थान में भी भाजपा की सरकार दोबारा आएगी, इसका उन्हें पूरा भरोसा है। केंद्रीय नेतृत्व जिस तरह मार्गदर्शन करेगा, उसी के अनुरूप काम किया जाएगा। चुनाव में जो कमियां रही हैं, उन्हें दूर किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर भी किरोड़ीलाल मीणा ने सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विकास के बहुत काम करवाए हैं। उन पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं है। व्यक्तिगत रूप से उन्हें मुख्यमंत्री पर पूरा भरोसा है।

दरअसल, सोमवार को किरोड़ीलाल मीणा ने कांग्रेस को भ्रम में नहीं रहने की नसीहत देते हुए हरियाणा का उदाहरण दिया था। उन्होंने कहा था कि विधानसभा चुनाव से छह महीने पहले मनोहरलाल खट्टर को हटाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया था और इसके बावजूद भाजपा की सरकार बनी। उनके इस बयान को राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाओं से जोड़कर देखा जाने लगा था। अब मीणा ने सफाई देते हुए स्पष्ट किया कि उनका मकसद केंद्रीय नेतृत्व की रणनीतिक क्षमता पर भरोसा जताना था, न कि राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन की बात करना।